THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI (CHAND RAM): (a) Yes, Sir

(b) and (c). The traffic position at Trinagar is being kept under constant watch During morning peak-hours, there has been over-crowding on the buses on this route To reduce the rush three special trips in the morning have already been provided on this route

जे० सी० बी० तथा भारत सरकार मुद्रणालय के कर्मचारियो के वेतनमानो में असंगतियां

1210. **श्री मही लाल** : क्या रक्षा मत्री जे०सी०बी० तथा भारत सरकार मुद्रणालय के कर्मचारियों के वेतनमानो मे असगतियो के बारे म दूसरे वेतन आयोग की सिफारिशो के बारे मे 22 जून, 1977 के तारांकित प्रश्न सख्या 163 और 13 जुलाई, 1977 क अतारांकित प्रश्न सख्या 3306 के उत्तर के सबध मे यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या 1974 मे विचाराधीन चले आ रहे मामले पर इस बीच अन्तिम निर्णय कर लिया गया है, और

(ख) यदि हा, तो उसका क्या परिणाम निकला और यदि नही, तो इस बारे मे असाधारण विलम्ब के क्या कारण हैं ?

रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) जी नही ।

(ख) इस मामले मे इस लिए देरी हुई है कि इस पर सभी पहलुओ से, और दूसरे स्थानो पर इसके सम्भावित परिणामो को ध्यान मे रखते हुए विस्तार से विचार किये जाने की आवश्यकता है । फिर भी इसे शीघ्र निपटाने के प्रयास किये जा रहे हैं ।

मंत्रालय की पुस्तकों को हिन्दी में प्रकाशित करवाना

1211. **श्री मोहन लाल पिपिल** : क्या गृह मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) उनके मत्रालय मे तैयार किए गए मैन्यूलो, सहिताओ, नियम पुस्तको आदि के नाम क्या है,

(ख) क्या राजभाषा नीति के अनुसार इन मैन्युलो, सहिताओ आदि को हिन्दी मे भी प्रकाशित करना होता है; और

(ग) यदि हा, तो उनमे से कितनी पुस्तके हिन्दी मे प्रकाणित हुई है और शेष पुस्तको को हिन्दी मे प्रकाशित न करने के क्या कारण है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मत्री (श्री धनिक लाल मण्डल) : (क) सूची सभा पटल पर रख दी गयी है । [**ग्रन्थालय में रखा गया । देखिये सख्या** LT/1158/77]

(ख) जी हा, श्रीमान ।

(ग) 64

शेष मैन्युल आदि हिन्दी अनुवाद तथा प्रकाशन की विभिन्न अवस्थाओ मे है ।

'किस्सा कुर्सी का' मुकदमें की सुनवाई के दौरान नारे लगाया जाना

1212. **श्री यादवेन्द्र दत्त** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि जब 'किस्सा कुर्सी का' मुकद्दमे के सम्बन्ध मे मुलिजम न्यायालय में हाजिर हुए तब उनकी जयकार करने के लिए अलीगढ़ तथा अन्य स्थानो से किराये पर लोग बुलाए गए थे और उपरोक्त मुलिजम व्यक्ति कनाट प्लेस के उस प्रसिद्ध होटल में ठहरे थे जिसका मालिक एक ऐक्सपोर्ट